नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिये Close to my heart अभियान का शुभारंभ किया

स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हेल्थ, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश शासन टाइगर फॉउन्डेशन सोसायटी द्वारा Close to my heart अभियान का शुभारंभ आज दिनांक 11.04.2019 को माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम किया गया। Close to my heart अभियान में वन्यप्राणियों की लगभग 13 प्रकार की लेपल पिनें है जो कि शर्ट एवं सूट में लगा सकते है। यह लेपल पिन वन्यप्राणी की प्रजाति का प्रतिनिधित्व करते हुए वन्य प्राणियों के सरंक्षण में योगदान देगा एवं विश्वास दिलायेगा की यह वन्य प्राणी मेरे हृदय के बहुत करीब है एवं वन्यप्राणियों का संरक्षण मेरी नैतिक जिम्मेदारी है।

इस अभियान में जिन वन्यप्राणियों की लेपल पिन उपयोग की जा रही है, उनमें से अधिकतर वन्यप्राणी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहें है, एवं अगर इनका सरंक्षण नहीं किया गया तो वे विलुप्त होने की कगार पर आ जायेंगे। यह अभियान विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा वृहद् स्तर पर चलाया जाएगा एवं इनके द्वारा वन्यप्राणियों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त छात्र लोगों को वन्यप्राणी संरक्षण हेतु अपना योगदान देने के लिए भी प्रेरित करेंगे। डॉ. मधु स्वामी, प्रभारी संचालक, स्कूल ऑफ वाईल्ड लाइफ फॉरेन्सिक एंड हेल्थ द्वारा "हृदय के बहुत करीब" अभियन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी ने उद्‌बोधित करते हुये का कि मानव एवं वन्य प्राणियों का पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान है, हम है तो जंगल है, और जंगल है, वन्यप्राणी हागें। महिलाओं के स्वसहायता समूहों ने कुक्कुट पालन के क्षेत्र में कीरतपुर, इटारसी के पास जिला होशंगाबाद के आस–पास उल्लेखनीय कार्य किया है, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें हमें सीखने की जरूरत है। हमें इस संस्थान को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्डलाईफ फॉरेन्सिक एंड हेल्थ के रूप में परिणित करना होगा। वन्य प्राणी संग्रहालय विकसित करने का प्रयास किया जावे। अच्छे कार्य करने में ही कठनाईयां आती है तो उनका निवारण कर जीवन में आगे बढ़े यही हमारी अपेक्षा है। पी.जी. छात्र–छात्राओं द्वारा पावर पॉइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से वन्यप्राणियों की हेंडलिंग, बायोलॉजीकल सेम्पल कलेक्शन, अंतः परिजीवीयों के रोग निदान, इम्मोबलाइजेशन ऑफ ड्रग एवं अन्य विषयों पर जानकारियों से अवगत कराया गया।

इस अभियान के शुभारंभ में डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. अनिल कुमार गौर, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. काजल, डॉ. अमोल राकेड़े, डॉ. देवेन्द्र पोधाड़े, डॉ. हरि आर, डॉ. निधि राजपूत एवं पी.जी. इंट्रनशिप छात्र–छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबपुर